युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
दिसम्बर, 2017 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

दिसम्बर मास का चार्ट:
लक्ष्य – अनुभव की अथॉरिटी।

अनुभव बड़े ते बड़ी अथॉरिटी है। अथॉरिटी की झलक चेहरे पर और चलन पर स्वत: ही आती है। अभी हम आत्माएं सुनने सुनाने वाले तो बन ही गये है परन्तु अब संसार के सामने हमें अनुभवी मूर्त बनने का विशेष पार्ट बजाना है। अनुभव की अथॉरिटी वाली आत्मा कभी भी किसी प्रकार की माया के भिन्न-भिन्न रॉयल रूपों में धोखा नहीं खायेंगे। अनुभव की अथॉरिटी वाली आत्मा सदा अपने को भरपूर आत्मा अनुभव करेगी। जैसे बीज भरपूर होता है वैसे आत्मभिमानी स्थिति ज्ञान, गुण, शक्तियाँ सबसे भरपूर होती है। ऐसी आत्मा के आगे माया झुकेगी, न कि झुकायेगी।

तो आइ-ने, अब सर्व अनुभवों की अथॉरटिी के आसन पर स्थित होकर सहज योगी, सदा के योगी, स्वत: योगी बनें।

विधि :

सप्ताह	**दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ**
पहला	ज्ञान के खज़ाने के अनुभवी
दूसरा	सर्व गुणों के अनुभवी
तीसरा	सर्व शक्तियों के अनुभवी
चौथा	ड्रामा के ज्ञान के अनुभवी

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चलते फिरते, कार्य करते अभ्यास एवं चिन्तन करना है। उस पर 10 लाईन कम से कम लिखनी है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % अनुभव की अथॉरिटी रहे।

❖ विशेष Activity: मास के प्रथम रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दपर्ण चार्ट भरनेवाले भाई-बहनों का वर्कशोप रखें। जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श करायें:

1. अनुभव की अथॉरिटी अर्थात् क्या?
2. अनुभव की अथॉरिटी बनने से क्या लाभ होंगे?
3. अनुभव की अथॉरिटी कैसे बन सकते है?
4. Action Plan बनाएं।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30
2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5
5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी
8.नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. अनुभव की अथॉरिटी - 50%
10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. रोज़ अमृतवेले शक्तिशाली स्थिति में ही बैठेंगे।
2. कभी भी कमज़ोरी के वश नहीं होंगे।

अभ्यास: हर धण्टे में एक मिनट जो स्वमान जो दिया गया है उसकी अनुभव की अथॉरिटी की सिट पर बैठकर सहज योगी स्थिति का अनुभव करना है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

सप्ताह	**स्वमान**
पहला	मैं ज्ञानी तु आत्मा हूँ।
दूसरा	मैं आत्मा सर्व गुण सम्पन्न हूँ।
तीसरा	मैं आत्मा मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ।
चौथा	मैं आत्मा साक्षी दृष्टा हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम:_______ **सेन्टर का नाम:**______ DiDar No:______
गुड मॉर्निंग-90% **अमृतवेला-75%**
व्यायाम/पैदल-80% **ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**
मुरली क्लास-90% **नुमाशाम का योग-80%**
स्वमान की स्मृति-75% **अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**
अनुभव की अथॉरिटी -50% **गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**